महेश केवट भाजपा के तीसरे प्रत्याशी घोषित

देर रात भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए तीसरा प्रत्याशी उतारा मैदान में, मीनाक्षी की राह हुई कठिन

नवभारत समाचार

भोपाल, 7 जून. मध्यप्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों पर हो रहे द्विवार्षिक चुनाव रविवार को उस समय रोचक स्थिति में आ गए, जब सत्तारूढ़ दल भाजपा ने तीसरी सीट के लिए देर रात अपना प्रत्याशी मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश केवट को बना दिया. अब कांग्रेस प्रत्याशी सुश्री मीनाक्षी नटराजन की राह कठिन हो गई है. सोमवार को भाजपा के तीसरे प्रत्याशी के रूप में महेश केवट नामांकनपत्र दाखिल करेंगे.

पार्टी सूत्रों ने नवभारत से चर्चा में कहा कि भाजपा अपने तीसरे प्रत्याशी को भी जिताने की कोशिश में है. इसके लिए रविवार के पहले तक पार्टी ने काफी गोपनीयता बरतते हुए तैयारियां कीं और अंतिम दौर में एकदम खुल के सामने आ गई.

दो सौ तीस सदस्यीय राज्य विधानसभा में भाजपा के 164, कांग्रेस के 64 और एक सदस्य सैलाना से भारत आदिवासी पार्टी का है. एक सीट दतिया रिक्त घोषित कर दी गई है. विजयपुर से विधायक मुकेश मल्होत्रा न्यायालयीन और तकनीकी कारणों के कारण वोट नहीं दे सकेंगे. इसी तरह कांग्रेस के टिकट पर निर्वाचित बीना विधायक निर्मला सप्रे का मामला न्यायालय में विचाराधीन है और वे कथित तौर पर भाजपा में आ चुकी हैं. संख्या बल के मान से दो सीट भाजपा के खाते में जाना तय है और इन दो वरीयताओं पर भाजपा ने अपने महासचिव तरुण चुग और प्रदेश के मंत्री रजनीश अग्रवाल को मैदान में उतारा है. इन दोनों की विजय तो तय है, लेकिन तीसरी सीट पर विजय के लिए भाजपा को वरीयता के अनुरूप 58 विधायकों के समर्थन की दरकार होगी. पार्टी के रणनीतिकारों का कहना है कि अंतर्आत्मा की आवाज पर कुछ गैरभाजपायी विधायक भी मत के जरिए या वोटिंग से अनुपस्थित रहकर पार्टी प्रत्याशी की मदद करेंगे. इसी आधार पर वह तीसरी सीट पर अपना प्रत्याशी उतार रही है.

> राज्यसभा चुनावों के लिए नामांकनपत्र दाखिले का कार्य एक जून से शुरू हुआ, जो सोमवार यानी आठ जून को पूर्ण हो जाएगा. 9 जून को नामांकनपत्रों की जांच होगी और 11 जून तक नाम वापस लिए जा सकेंगे. तीन से अधिक प्रत्याशी होने पर मतदान 18 जून को होगा और उसी दिन मतों की गणना के बाद नतीजे घोषित होंगे.

पौधरोपण हम सबकी जिम्मेदारी : सबनानी

▶ दक्षिण-पश्चिम विस क्षेत्र की न्यू रेडियो कॉलोनी में रोपे 100 पौधे

भोपाल, 7 जून. दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी ने पर्यावरण दिवस एवं मोदी सरकार के 12 वर्ष होने के उपलक्ष्य में भारत माता चौराहे के पास स्थित न्यू रेडियो कॉलोनी में रविवार को स्थानीय नागरिकों के साथ पौधारोपण किया.

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कॉलोनी के गार्डन एवं अन्य जगहों पर 100 पौधे लगाए गए. इस अवसर पर विधायक सबनानी ने कहा कि पौधरोपण करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है. हम सभी को इस वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी देखभाल करना है और उनके बड़े होने तक प्रत्येक सदस्य को एक-एक पौधे की जवाबदारी लेकर उसकी सेवा करना है. विधायक सबनानी ने कॉलोनी में स्थित दो मंदिरों की महिला भजन मंडली को ढोल, मंजीरा झांझर एवं अन्य भजन सामग्री भेंट की. पौधारोपण का आयोजन कृष्ण कुमार सिंह द्वारा किया गया, इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राजकुमार विश्वकर्मा, मंडल अध्यक्ष पारस नरवरिया, महामंत्री संदीप तोमर, शैलेंद्र तिवारी, मंजू सराठे, जतिन भारती, किशोर परिहार, रेखा सहित कॉलोनी नागरिक उपस्थित रहे.

33 मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

कायस्थ समाज की नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपने की अभिनव पहल

भोपाल, 7 जून. अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, मध्य भारत प्रदेश एवं जिला भोपाल इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'कायस्थ प्रतिभा सम्मान समारोह एवं चित्रांश पारिवारिक मासिक बैठक' का आयोजन किया गया. इसमें 33 मेधावी बच्चों का सम्मान किया गया.

समारोह की सबसे विशेषता रही कि कार्यक्रम की संपूर्ण रूपरेखा, संचालन एवं व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी समाज के युवा, बच्चों ने संभाली. यह पहल वरिष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारी

अध्यक्ष एवं मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की उस दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसमें बच्चों को केवल दर्शक नहीं, बल्कि समाज के भविष्य के नेतृत्वकर्ता के रूप में तैयार करने पर बल दिया गया है. प्रदेश अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में संपूर्ण कार्यक्रम युवा प्रतिभाओं द्वारा संचालित कराया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री सारंग, विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री के ओएसडी एवं सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अजातशत्रु श्रीवास्तव थे. भगवान चित्रगुप्त के पूजन, दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ.

100 बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

भोपाल, 7 जून. (निज संवाददाता) रवीन्द्र भवन की कला वीथी में लिखन्दरा कला समिति द्वारा आयोजित दो दिवसीय बाल कला प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ. भोपाल, इंदौर, उज्जैन सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों से आए लगभग 100 बाल प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों ने चित्रों के माध्यम से अपनी कल्पनाओं, भावनाओं और बचपन की यादों को रंगों में उकेरा. प्रदर्शनी की विशेष थीम '90 के दशक की यादें' रही, जिसमें बच्चों ने पुराने खेल, पारिवारिक संबंधों और सांस्कृतिक परंपराओं को चित्रों में दर्शाया.

भर्ती परीक्षा की दूसरी पाली स्थगित

राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह को अभ्यर्थियों ने सुनाई परेशानी

विशेष संवाददाता

भोपाल, 7 जून. मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (एमपीईएसबी), जिसे पूर्व में व्यापमं के नाम से जाना जाता था, द्वारा आयोजित वनरक्षक, क्षेत्र रक्षक, जेल प्रहरी एवं सहायक जेल अधीक्षक भर्ती परीक्षा-2026 की दूसरी पाली को बिना पूर्व सूचना के स्थगित किए जाने से हजारों अभ्यर्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा.

मुरैना, भिंड, दतिया, ग्वालियर, सागर और बालाघाट सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए अभ्यर्थियों ने भोपाल में पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह से मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं. अभ्यर्थियों का कहना था कि परीक्षा की दूसरी पाली दोपहर 2.30 बजे से 4.30 बजे तक निर्धारित थी और वे लंबी दूरी तय कर समय से परीक्षा केंद्र पहुंच गए थे. अभ्यर्थियों के अनुसार प्रवेश एवं पंजीयन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें बताया गया कि परीक्षा कुछ देर से शुरू होगी. हालांकि कई घंटे इंतजार करने के बाद उन्हें अचानक परीक्षा केंद्र से बाहर जाने को कहा गया और जानकारी दी गई कि परीक्षा स्थगित कर दी गई है. दिग्विजय सिंह ने इस घटना पर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि परीक्षा संचालन का कार्य आउटसोर्सिंग के माध्यम से एप्टेक कंपनी को सौंपा गया था. उन्होंने सवाल उठाया कि विवादों में रही कंपनी को इतनी महत्वपूर्ण परीक्षा की जिम्मेदारी किस आधार पर दी गई. उन्होंने दावा किया कि तकनीकी और सॉफ्टवेयर संबंधी खामियों के कारण परीक्षा आयोजित नहीं हो सकी और बाद में अभ्यर्थियों को 20 जून को परीक्षा होने की सूचना दी गई.

उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन

यादव से उच्चस्तरीय जांच कराने, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने तथा प्रभावित अभ्यर्थियों के यात्रा, भोजन और आवास संबंधी खर्च की भरपाई कराने की मांग की. उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से युवाओं का भर्ती संस्थाओं और शासन व्यवस्था पर विश्वास कमजोर हो सकता है.

सुरक्षा को लेकर रेलवे का जागरुकता अभियान

भोपाल, 7 जून. पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता सप्ताह के तहत सुरक्षा अभियान लगातार चलाया जा रहा है. 6 जून से 12 जून 2026 तक आयोजित इस विशेष अभियान का उद्देश्य सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार फाटकों पर सुरक्षित व्यवहार के प्रति जागरूक करना और दुर्घटनाओं को रोकना है.

मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन में संरक्षा, इंजीनियरिंग, परिचालन, यांत्रिक, वाणिज्यिक, सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के साथ रेलवे सुरक्षा बल की संयुक्त टीम विभिन्न समपार फाटकों पर जागरूकता कार्यक्रम

आयोजित कर रही है. अभियान के दौरान वाहन चालकों, राहगीरों और स्थानीय नागरिकों को समपार फाटकों पर बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी जा रही है तथा सुरक्षा संबंधी पंपलेट भी वितरित किए जा रहे हैं.

अभियान के दूसरे दिन समपार फाटक संख्या 10 (सेमरखेड़ी-कंजिया खंड) और समपार फाटक संख्या 274 (सोरई-सुमेर खंड) सहित कई स्थानों पर विशेष जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस दौरान 50 से अधिक सड़क उपयोगकर्ताओं की काउंसिलिंग कर उन्हें बंद फाटक पार न करने, रेलवे संकेतों का पालन करने और ट्रेनों के आवागमन के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी गई. रेल प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे समपार फाटकों पर निर्धारित सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी स्थिति में बंद फाटक को पार करने का प्रयास न करें.

> **श्यामपुर-कुरावर रेलखंड का निरीक्षण 12 को**
>
> **भोपाल.** रामगंजमंडी-भोपाल नई बड़ी रेल लाइन परियोजना के तहत तैयार किए गए श्यामपुर-कुरावर रेलखंड का 12 जून को रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया जाएगा. इस निरीक्षण के बाद रेलखंड के कमीशनिंग कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा. रेलवे प्रशासन के अनुसार 12 जून को सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे तक रेलखंड पर विभिन्न तकनीकी और सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी. निरीक्षण के दौरान ट्रेनों का संचालन परीक्षण के लिए अधिक गति से किया जाएगा, ताकि ट्रैक और अन्य व्यवस्थाओं की क्षमता परखी जा सके. रेल प्रशासन ने आसपास के गांवों और बस्तियों के लोगों से अपील की है कि वे रेलवे ट्रैक, पुलों, समपार फाटकों और अन्य रेल परिसंपत्तियों से करना है .

8 गुमशुदा बच्चों को परिजनों से मिलाया

विशेष संवाददाता

भोपाल, 7 जून. मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत गुमशुदा और अपहृत बच्चों की तलाश तथा उन्हें सुरक्षित रूप से उनके परिवारों तक पहुंचाने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं.

पिछले एक सप्ताह के दौरान पुलिस की विभिन्न टीमों ने देश के अलग-अलग राज्यों से आठ गुमशुदा नाबालिगों को सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों को सौंप दिया. तकनीकी दक्षता और मानवीय संवेदनशीलता के समन्वय से संचालित इस अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों ने दूरस्थ राज्यों की यात्रा कर स्थानीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया तथा आधुनिक जांच तकनीकों का उपयोग कर बच्चों का पता लगाया. बालाघाट पुलिस ने तेलंगाना से दो नाबालिग बालिकाओं को खोज निकाला, जबकि शिवपुरी पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मोठ क्षेत्र से अपहृत बालिका को सुरक्षित बरामद किया. अनूपपुर पुलिस ने राजस्थान के जोधपुर से एक गुमशुदा बालिका को दस्तयाब किया. खंडवा पुलिस ने महाराष्ट्र के अकोला स्थित चाइल्डलाइन केंद्र से 14 वर्षीय मूक-बधिर बालक को खोजकर उसके परिवार से मिलाया.

> **गुमशुदा की सुरक्षित वापसी पूरे परिवार की उम्मीद**
>
> उज्जैन जीआरपी की टीम ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर गुजरात के सूरत से 17 वर्षीय बालक को बरामद किया. वहीं बड़वानी और टीकमगढ़ पुलिस ने क्रमशः गुजरात और दिल्ली से नाबालिग बालिकाओं को सुरक्षित खोज निकाला. पुलिस अधिकारियों ने कहा कि किसी गुमशुदा बच्चे की सुरक्षित वापसी केवल एक मामले का निराकरण नहीं, बल्कि पूरे परिवार की उम्मीद, विश्वास और खुशियों की पुनर्स्थापना है. पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी बच्चे के गुम होने अथवा संदिग्ध परिस्थितियों में पाए जाने की सूचना तत्काल निकटतम थाने या डायल-112 पर दें.

कलेक्टर के क्षेत्र भ्रमण के बाद पटवारी निलंबित

सीधी. कलेक्टर विकास मिश्रा के राजस्व निरीक्षक मंडल खड्डी के क्षेत्र भ्रमण के दौरान प्राप्त शिकायतों एवं जांच प्रतिवेदन के आधार पर खड्डी खुर्द एवं खड्डी कला हल्के के पटवारी बृजेश कुमार प्रजापति को निलंबित कर दिया गया है. क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों के निराकरण में विलंब तथा कार्य के लिए अवैध राशि की मांग किए जाने संबंधी शिकायतें की थीं. कलेक्टर के निर्देश पर कराई गई जांच में कई राजस्व प्रकरण लंबे समय से लंबित पाए गए. सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में शिथिलता तथा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना की भी पुष्टि हुई.

बैंक ऑफ बड़ौदा ने किया पौधारोपण

भोपाल, 7 जून. विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा कमलानगर स्थित राम मंदिर प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया.

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंचल प्रमुख शैलेष कुमार पारख ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए. उन्होंने कहा कि एक पौधा केवल हरियाली ही नहीं देता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के

लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का आधार भी बनता है.

उप महाप्रबंधक महेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका है. उन्होंने सभी से अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया. क्षेत्रीय प्रमुख भोपाल मयंक कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन हैं. वृक्षारोपण के माध्यम से समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ती है और लोगों को प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रेरणा मिलती है.

उपक्षेत्रीय प्रमुख राजेश बैरागी, सहायक महाप्रबंधक कुमार नरेंद्र तथा सहायक महाप्रबंधक हर्षित शर्मा ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए. अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधों की देखभाल और संरक्षण का संकल्प भी लिया.

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय मेगा आउटरीच कैंप

रायसेन, 6 जून. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), रायसेन में राष्ट्रीय मेगा आउटरीच कैंप का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सोहेल अहमद, मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम), कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई, मनोज उपाध्याय, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी (एडीएम), अमित सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख, भोपाल, सीएमओ सुरेख जाटव नगर पालिका ,रायसेन , डॉ. स्वप्निल दुबे, कृषि वैज्ञानिक (केवीके), श्री राकेश कुमार, निदेशक आरसेटीआई तथा बैंक एवं विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे. राष्ट्रीय मेगा आउटरीच कैंप के अंतर्गत रायसेन जिले में विभिन्न हितग्राहियों को कुल 28.19 करोड़ रुपये की स्वीकृत ऋण राशि के वितरण पत्र प्रदान किए गए.

मेट्रो रेल ने की सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स की शुरुआत

भोपाल. राजधानी में मेट्रो रेल के द्वारा यात्रियों को आकर्षित करने के लिए नये नये प्रयोग किए जा रहे हैं. वहीं स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता का संदेश भी दिया गया. उसी क्रम में रविवार को सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स पहल का आयोजन किया गया, सह भोपाल में पहला आयोजन था सफल रहा. इस अवसर पर 50 महिला, पुरुष एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की. सेलिब्रेशन ऑन व्हील्स शामिल हुए प्रतिभागियों ने शाम के समय चलित मेट्रो कोच में एम्स स्टेशन से सुभाष नगर स्टेशन तक की यात्रा की. उन्होंने विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया तथा स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता का संदेश दिया. नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के साथ मेट्रो यात्रा का एक अनुभव प्रदान करना था.

विधायक ट्रॉफी : भूतेश्वर और पुलिस इलेवन की दमदार जीत

खेल प्रतिनिधि

भोपाल, 7 जून. भोपाल के नेहरू नगर पुलिस ग्राउंड में विधायक ट्रॉफी नाइट टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में शनिवार देर रात खेले गए मुकाबलों में श्री भूतेश्वर महादेव इलेवन और पुलिस इलेवन ने शानदार जीत दर्ज की.

पहले मुकाबले में श्री भूतेश्वर महादेव इलेवन ने थाला इलेवन को 9 विकेट से हराकर एकतरफा जीत हासिल की. थाला इलेवन की टीम 7 ओवर में केवल 47 रन पर सिमट गई. जवाब में श्री भूतेश्वर महादेव इलेवन ने सिर्फ 3.1 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया. टीम की जीत में अंकित सिंह मीना ने अहम भूमिका निभाई. उन्होंने 3 विकेट लेने के साथ तेज बल्लेबाजी करते हुए 18 रन भी बनाए. दूसरे मुकाबले में पुलिस इलेवन ने शबरी सुपर किंग्स को 8 रन से हराया.

निर्देश जारी ▶ पहले प्रशासनिक फिर स्वैच्छिक स्तर पर होगा फेरबदल

शिक्षकों की ट्रांसफर प्रक्रिया आज से शुरू

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 07 जून. मप्र स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य के शिक्षकों और शैक्षणिक कर्मचारियों के ट्रांसफर को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं. आदेश के मुताबिक प्रशासनिक ट्रांसफर के प्रस्तावों का पंजीकरण 8 जून से प्रारंभ होगा.

जिसके तहत एक जिले से दूसरे जिले में तबादले के इच्छुक शिक्षक 8 जून से 15 जून के मध्य आवेदन कर सकेंगे. वहीं जिला संभाग और राज्य संवर्ग के पदों के लिए ऑनलाइन 17 जून तक स्वीकार किए जाएंगे. विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि पहले प्रशासनिक जरूरतों के आधार पर फेरबदल होगा,. इसके बाद रिक्त पदों की उपलब्धता के अनुसार स्वैच्छिक ट्रांसफर किए जाएंगे.

वहीं, एक ही संभाग के भीतर पदोन्नति वाले पदों पर तो तबादला हो सकेगा, लेकिन दूसरे संभाग के शिक्षकों को किसी अन्य संभाग के पदोन्नति वाले पदों पर तैनात नहीं किया जाएगा. विभाग ने साफ किया है कि सरप्लस घोषित शिक्षक भी अन्य सामान्य शिक्षकों की भांति ऑनलाइन स्वैच्छिक ट्रांसफर का हिस्सा बन सकेंगे और अपनी पसंद के खाली पदों के लिए निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर सकेंगे इस पूरी कवायद का उद्देश्य स्कूलों में शिक्षकों का उचित संतुलन बनाना है

सरप्लस शिक्षकों के समायोजन का फॉर्मूला

पूरी व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए एजुकेशन पोर्टल पर स्कूलों में मौजूद स्टाफ और रिक्तियों की रियल टाइम जानकारी उपलब्ध रहेगी. वहीं जिन शालाओं में ज्यादा शिक्षक कार्यरत हैं, उन्हें शिक्षक विहीन या कम स्टाफ वाले स्कूलों में स्थानांतरित किया जाएगा. इसी प्रकार स्वीकृत पदों से अधिक संख्या में जमे अन्य कार्यालयों के अमले को भी खाली पदों पर भेजा जाएगा. नियमों के तहत जो शिक्षक किसी एक संस्थान में सबसे लंबी अवधि से पदस्थ हैं. उन्हें मुख्य रूप से सरप्लस की श्रेणी में रखा जाएगा. हालांकि यदि बीते 2 सालों में हुए ट्रांसफर के कारण सरप्लस की स्थिति बनी है तो दो वर्ष के भीतर आए शिक्षक को सरप्लस माना जाएगा. इसके अतिरिक्त मूल पद के साथ-साथ उच्च पद का प्रभार संभाल रहे. शिक्षकों में से उच्च प्रभार वाले को सरप्लस माना जाएगा.

> **शैक्षणिक सत्र के बीच भी हटेंगे शिक्षक**
>
> विद्यार्थियों के अध्यापन कार्य में कोई बाधा न आए, इसलिए सत्र के दौरान भी सरप्लस शिक्षकों को ट्रांसफर किया जा सकेगा. इसके लिए बाकायदा काउंसलिंग का सहारा लिया जाएगा. जो शिक्षक इस काउंसलिंग प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेंगे उनका तबादला सीधे प्रशासनिक आधार पर कर दिया जाएगा.

महुआ महोत्सव में दिखाया छत्रसाल का शौर्य

निज संवाददाता

भोपाल, 7 जून. मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय महुआ महोत्सव में दूसरे दिन रविवार को लोक संस्कृति, वीरता और परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिला.

महोत्सव का आयोजन 6 से 10 जून तक श्यामला हिल्स स्थित जनजातीय संग्रहालय में किया जा रहा है. वर्षगांठ समारोह के कारण सोमवार के अवकाश के दिन भी संग्रहालय दर्शकों के लिए खुला रहेगा. महोत्सव में प्रस्तुत नृत्य-नाट्य 'महाबली छत्रसाल बुन्देल केसरी' विशेष आकर्षण का केंद्र रहा. भोपाल के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत इस नाटिका में बुंदेलखंड

के वीर शासक महाराजा छत्रसाल के जीवन, संघर्ष और स्वतंत्रता संग्राम को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया गया.

नाट्य प्रस्तुति में बुंदेली राई नृत्य, आल्हा गायन और तलवारबाजी के माध्यम से छत्रसाल के शौर्य, धर्मनिष्ठा और प्रजा-प्रेम को दर्शाया गया. कलाकारों ने उनके 52 युद्धों, स्वराज के संकल्प और स्वतंत्र बुंदेला राज्य की स्थापना की गाथा को जीवंत कर दिया. महोत्सव में उत्तराखंड का तांदी नृत्य,उत्तरप्रदेश का करमा नृत्य तथा हरियाणा का पनिहारी नृत्य भी प्रस्तुत किया गया.दर्शकों ने इन लोक प्रस्तुतियों का आनंद लिया. इसके साथ ही कठपुतली प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण, शिल्प मेला और देशज व्यंजन प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र बनी रही .